

क्यूआर-कोड आधारित काँइन वेंडिंग मशीन

भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India- RBI) क्यूआर-कोड आधारित काँइन वेंडिंग मशीन (QR-code Based Coin Vending Machine- QCVM) के कामकाज़ का आकलन करने हेतु एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने पर विचार कर रहा है।

- पायलट प्रोजेक्ट को शुरुआत में देश भर के 12 शहरों में 19 स्थानों पर शुरू करने की योजना है। मशीनों तक सहज पहुँच को ध्यान में रखते हुए इन्हें विशेष रूप से रेलवे स्टेशन, शॉपिंग मॉल एवं मार्केटप्लेस जैसे सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित किया जाएगा।

QCVM:

- कैशलेस काँइन डिस्पेंसर जैसे QCVM कहा जाता है, **एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस** का उपयोग कर ग्राहक के बैंक खाते के माध्यम से सक्किा प्रदान करेगा।
- ग्राहकों के लिये आवश्यक मात्रा और मूल्य वर्ग में सक्किे निकालने का विकल्प उपलब्ध होगा।
- यह सक्किों तक पहुँच को आसान बनाएगा।
- QCVM एक नकद-आधारित मानक काँइन वेंडिंग मशीन के विपरीत बैंक नोट्स प्रदान करने और उनके प्रमाणीकरण की आवश्यकता को समाप्त कर देगा।

QCVM की आवश्यकता:

- पहले की मशीनों में कुछ त्रुटियाँ/समस्याएँ थीं जिनसे सक्किे प्राप्त करने के लिये कुछ **नकली नोटों** का प्रयोग किया जाता था।
- सक्किों की मांग बहुत अधिक है, लेकिन इसका ठीक से वितरण नहीं हो पा रहा है।
 - RBI के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, रुपए के सक्किों के मुद्राचलन का कुल मूल्य 30 दिसंबर, 2022 तक 28,857 करोड़ रुपए था, जो कएक वर्ष पहले की अवधि से 7.2% अधिक है।
 - इस परिप्रेक्ष्य में भारत में सक्किे 50 पैसे, एक रुपए, दो रुपए, पाँच रुपए, दस रुपए और बीस रुपए मूल्यवर्ग में जारी किये जाते हैं। 50 पैसे तक के सक्किे छोटे सक्किे कहलाते हैं, जबकि एक रुपए और उससे अधिक के सक्किे रुपए के सक्किे कहलाते हैं।
- अतः जहाँ इनकी मांग है, वहाँ सक्किे उपलब्ध कराकर सक्किों की आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा सकता है।
- वर्तमान में सक्किे प्राप्त करने के लिये व्यक्ति को बैंक शाखा में जाना पड़ता है और सक्किों के बदले मुद्रा नोटों को देना होता है।
- लेकिन QCVM के संदर्भ में UPI क्यूआर-कोड का प्रयोग कर सक्किों को निकाला जा सकता है और यह राशि सक्किों को निकालने वाले व्यक्ति के बैंक खाते से डेबिट हो जाएगी।

स्रोत: द हिंदू